



UNIVERSITÄTS-
BIBLIOTHEK
PADERBORN

Universitätsbibliothek Paderborn

Magnum Matrimonij Sacramentum Casibus Practicis Expositum

Reutlinger, Ignaz

Augustæ Vindelicorum, 1716

VD18 10508716

Syllabus potiorum Erratorum.

urn:nbn:de:hbz:466:1-40059

Syllabus potiorum Erratorum.

| <i>Erratum.</i> | <i>Pagina.</i> | <i>Columna.</i> | <i>Linea.</i> | <i>Legendum.</i> |
|--|----------------|-----------------|---------------|-------------------------|
| <i>Nihil est furore amentius.</i> | 24. | 2. | 30. | <i>Furore amoris</i> |
| <i>Teneri talem Sponsam adhuc ducere primam.</i> | 138. | 1. | 34. | <i>Talem Sponsam;</i> |
| <i>Commisit.</i> | 153. | 1. | 7. | <i>Commisit.</i> |
| <i>Vicet</i> | 207. | 2. | 8. | <i>Vices</i> |
| <i>Professione</i> | 258. | 2. | 9. | <i>Professione</i> |
| <i>Doctorem privati</i> | 273. | 2. | 33. | <i>Doctores privati</i> |
| <i>Non omnino solubile,</i> | 277. | 2. | 13. | <i>Insolubile.</i> |
| <i>Loss.</i> | 332. | 1. | 19. | <i>Loss.</i> |
| <i>In obtrusum tibi conjugium</i> | 390. | 1. | 7. | <i>Sibi</i> |
| <i>Qui autem subrahendo</i> | 401. | 1. | 6. | <i>Quia.</i> |
| <i>Ex uxor</i> | 502. | 1. | 3. | <i>Et</i> |
| <i>Mortaliter certam</i> | 526. | 1. | 9. | <i>Moraliter.</i> |
| <i>Prolem atam</i> | 534. | 2. | 2. | <i>Prolem natam</i> |
| <i>Ex ipso minus</i> | 541. | 1. | 11. | <i>Non minus.</i> |
| <i>Proxi-</i> | 608. | 2. | 10. | <i>Proximè</i> |
| <i>Constitutioni</i> | 609. | 1. | 15. | <i>Constitutionis</i> |
| <i>Resilire</i> | 660. | 1. | 17. | <i>Resilire</i> |
| <i>Impotis</i> | 665. | 2. | 1. | <i>Impotens.</i> |
| <i>Apendix</i> | 690. | in Tit. | 1. | <i>Appendix</i> |
| <i>Qua</i> | 712. | 1. | 1. | <i>Quæ</i> |
| <i>Susplicere</i> | 730. | 1. | 1. | <i>Sulcipere.</i> |

*Reliquos leviores errores Benevolus Lector facile
condonabit, & ipse corriger.*

Colligii doctis Jesu Paderbornæ

